Regd

6112744
18/03/16

Not पर
डाल दें

प्रेषक

निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा, हरियाणा,
शिक्षा सदन, सैक्टर–5,पचंकूला।

सेवा में

जिला शिक्षा अधिकारी,
कुरूक्षेत्र।

यादी कमांक 18/1258–2015 पी0जी0टी0 (9)
दिनांक पंचकूला 17-3-2016.

विषयः– **शीशू देखभाल अवकाश मामला–श्रीमती रजनी गुप्ता, पी0जी0टी अर्थशास्त्र रा0व0मा0वि0, किरमाच, कुरूक्षेत्र।**

****

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में।

विषयांकित मामला मूल रूप में वापिस लोटाते हुए लिखा जाता है कि श्रीमती रजनी गुप्ता, पी0जी0टी अर्थशास्त्र रा0व0मा0वि0, किरमाच, कुरूक्षेत्र का केस शिक्षा मंत्री के ई–मेल के माध्यम से प्राप्त हुआ है। अतः आपसे अनुरोध है कि मामला विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा मे भरकर निदेशालय मे भिजवाए ताकि मामले मे कार्यवाही की जा सके।

17/3

अधीक्षक पी0जी0टी0–II
कृतेः निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा,
हरियाणा, पंचकूला।

620 IT Cell
18/3/16

तिथिबद्ध/अति आवश्यक

प्रेषक

निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा, हरियाणा,
शिक्षा सदन, सैक्टर–5, पंचकूला।

सेवा में,

राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी हरियाणा राज्य।

यादी कमांक 4/1–2016 एच0आर0जी0–I (2)
दिनांक पंचकूला 18/3/16

विषयः– **राजकीय उच्च विद्यालयो में कार्यरत मुख्याध्यापकों को प्राचार्य के पद पर पदोन्नत करने बारे।**

उपरोक्त विषय पर निदेशालय के यादी कमांक 4/1–2016 एच0आर0जी0–I (2) दिनांक 11.01.2016 तथा स्मरण पत्र दिनांक 25.01.2016 के सन्दर्भ में।

विषयांकित मामले में लिखा गया था कि मुख्याध्यापको को प्राचार्य के पद पर पदोन्नति करने बारे विचारा जाना है। सलंग्न सूची अनुसार मुख्याध्यापकों के वांछित दस्तावेज निदेशालय को विशेष संन्देशवाहक के माध्यम से एक सप्ताह के अन्दर–अन्दर भिजवाना सुनिश्चित करें। लेकिन अभी भी मामलें पूर्णतया प्राप्त नहीं हुए है।

अतः आपसे पुनः अनुरोध है कि पूर्व में भेजी गई सूची में अंकित मुख्याध्यापकों का वांछित रिकार्ड (निजि मिसल, पिछले 10 वर्षो की समरी शीट, मुख्याध्यापक के विरूद्ध जांच शिकायत व कोर्ट केस लम्बित न होने बारे प्रमाण पत्र) सहित वर्ष 2014–2015 की ए.सी.आर. भी तीन दिन के अन्दर–अन्दर निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें। इसके साथ–2 यह प्रमाण पत्र भी सलंग्न करके भेजें कि उनके जिले में वरिष्ठता कमांक 651 से 850 तक के मुख्याध्यापकों का कोई मामला लम्बित नहीं है।

पदोन्नति मामले पूर्ण करके भिजवायें। किसी भी प्रकार की देरी के लिए आप स्वंय जिम्मेवार होगें और मामला उच्च अधिकारियों के ध्यान में ला दिया जायेगा।

सहायक निदेशक एच.आर.जी.–I
कृते निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा,
हरियाणा, पंचकूला।

पृष्ठांकन कमांकः सम **दिनांक पंचकूला**

इसकी एक प्रति अधीक्षक एच.आर.जी.–II शाखा को इस अनुरोध के साथ भेजी जाती है कि यदि उनकी शाखा में वरिष्ठता कमांक 651 से 850 तक के मुख्याध्यापकों की निजि मिसलें/ए.सी.आर उपलब्ध है तो अविलम्ब इस शाखा को भेजने का कष्ट करें।

-sd-
सहायक निदेशक एच.आर.जी.–I
कृते निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा,
हरियाणा, पंचकूला।

621 IT Cell
18/3/16

प्रेषक

निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा, हरियाणा,
शिक्षा सदन, सैक्टर–5, पंचकूला।

सेवा में,

1. निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0 गुडगांव, हरियाणा।
2. राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी,
3. डी.पी.आई (यू.टी.) चण्डीगढ़ प्रशासन, चण्डीगढ़।
4. राज्य के सभी प्राचार्य, डाईट/बाईट।

यादी क्रमांक 4/5–2013 एच0आर0जी0–I (2)
दिनांक पंचकूला 18/3/16

विषयः– प्राध्यापकों को प्राचार्य के पद पर पदोन्नत करने बारे।

उपरोक्त विषय पर निदेशालय के पत्र क्रमांक 4/5–2013 एच0आर0जी0–I (3) दिनांक 17.04.2015 तथा स्मरण पत्र दिंनाक 18.06.2015, 11.08.2015 तथा 25.01.2016 के सन्दर्भ में।

उपरोक्त अंकित पत्रों के माध्यम से आपसे अनुरोध किया था कि संलग्न सूचियों में अंकित प्राध्यापको (वरिष्ठता क्रमांक 60 से 400 तक) के वांछित रिकार्ड को अविलम्ब निदेशालय को भेजें परन्तु अभी तक पूर्ण वांछित रिकार्ड प्राप्त नही हुआ।

अतः आपसे पुनः अनुरोध है कि पूर्व में भेजी गई सूची में अंकित प्राध्यापकों का वांछित रिकार्ड (निजि मिसल, पिछले 10 वर्षो की समरी शीट, मुख्याध्यापक के विरूद्ध जांच शिकायत व कोर्ट केस लम्बित न होने बारे प्रमाण पत्र) सहित वर्ष 2014–2015 की ए.सी.आर. भी तीन दिन के अन्दर–अन्दर निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें। इसके साथ–2 यह प्रमाण पत्र भी सलंग्न करके भेजें कि उनके जिले में वरिष्ठता क्रमांक 60 से 400 तक के प्राध्यापकों का कोई मामला लम्बित नहीं है।

पदोन्नति मामले पूर्ण करके भिजवायें। किसी भी प्रकार की देरी के लिए आप स्वंय जिम्मेवार होगें और मामला उच्च अधिकारियों के ध्यान में ला दिया जायेगा।

सहायक निदेशक एच.आर.जी.–I
कृतेः निदेशक सैकेण्डरी शिक्षा,
हरियाणा, पंचकूला।

622 IT Cell
18/3/16

DIRECTORATE OF SECONDARY EDUCATION, HARYANA

ORDER

No.5/47-2014 HRG-II(2) **Dated, PANCHKULA, THE** 15-3-2016

Brief facts of the case are that in FIR no. 65 dated 03.05.2003 under Section 325 IPC PS Kalanaur (Rohtak), Sh. Ashwani Kumar, CJM Rohtak vide order dated 03.03.2014 and 07.03.2014 convicted Sh. Rajender Sethi Headmaster, Govt. High School, Masudpur (Rohtak) and sentenced him to undergo rigorous imprisonment for a period of one year alongwith a fine of Rs. 5,000/- for commission of offence punishable under Section 325 IPC. He was placed under suspension vide order dated 16.02.2015/02.03.2015. In appeal, Additional District & Sessions Judge vide order dated 27.03.2015, by accepting the appeal partly, modified the order dated 03.03.2014 to the extent that instead of undergoing actual sentence, the appellant is to be released on probation on good conduct on his furnishing probation bond in the sum of Rs. 30,000/- with one surety in the like amount to the satisfaction of this court for a period of two years. Vide a separate order dated 27.03.2015, he was directed to deposit Rs. 25,000/- as compensation to be paid to the complainant i.e. Hans Raj – his real Brother. It is specific to mention here that said Rajender Sethi, Headmaster remained on bail after the order dated 03.03.2014 and did not remain in judicial custody, as a consequence of the conviction.

Regarding the consequences of conviction by CJM vide order dated 03.03.2014 and further releasing him on probation by the order of Additional Session Judge, dated 27.03.2015, it is clear that the conviction is intact, as has been laid down by Hon'ble Supreme Court in the case of Divisional Personnel Officer Southern Railway Versus T.R. Challappan and another AIR 1975 SC 2216 on the grounds that releasing the accused on probation does not obliterate the stigma of conviction. It was further laid down that the factum of guilt on the criminal charge is not swept away merely by passing the offender on probation.

Regarding the punishment to be inflicted as a consequence of conviction para 14 of the book published by the Law and Legislative Department containing guidelines regarding procedure in Disciplinary matter, states as under:-

'14. Cases where no enquiry should be held

There are following three exceptions to the requirements of clause (2) of article 311 of the Constitution of India, where no enquiry need be held:-

(i) Where a Government employee has been convicted by a criminal court, it is neither necessary to hold any enquiry nor to give any show-cause notice for the proposed action. Proviso (a) to article 311(2) of the

Constitution of India relieves the punishing authority to hold any enquiry or to serve a show-cause notice for imposing any penalty. The Punishing Authority has to consider all the circumstances of the case and then decide-

(a) Whether the conduct of the delinquent official which led to his conviction is such as to render his further retention in public services undesirable;

(b) If so, whether to dismiss him or to remove him from service or to compulsory retire him;

(c) If the said conduct of the official is not such which renders his further retention in service undesirable, whether the minor punishment, if any, should be inflicted upon him.

The order of the punishing authority should show that it has applied its mind before passing the order. The order should be on the basis of conduct which led to his conviction.'

From the perusal of above and in view of instructions dated 08.07.1957 issued by Punjab Government Circular Letter No. 4819-G II-57/11919, it is clear that in the present case, the same does not fall clearly within the ambit of offences involving moral turpitude, being family dispute between two brothers and penalty of dismissal or removal from service including compulsory retirement cannot be inflicted under the canons of service jurisprudence. Hence, a minor penalty of stoppage of two grade increments without cumulative effect, as provided in clause (v) of sub Rule 1 of Rule 4 of the Haryana Civil Services (Punishment & Appeal) Rules, 1987, is inflicted upon Sh. Rajender Sethi Headmaster, Govt. High School, Masudpur(Rohtak).

I order accordingly.

(M. L. KAUSHIK, IAS)
Director Secondary Education,
Haryana, Panchkula.

Regd.

To

Sh. Rajinder Sethi,
Headmaster Govt. High School,
Masudpur, Rohtak.

Endst. No. 5/47-2014 HRG-II (2) **Dated, Panchkula, the** 16-3-2016

A copy is forwarded to the following for information and necessary action:-

1. District Education Officer, Rohtak.
2. Technical Officer, I.T. cell.

16/3

SUPERINTENDENT HRG-II
FOR DIRECTOR SCHOOL EDUCATION,
HARYANA, PANCHKULA.